भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

राजस्थान RAJASTHAN 665000

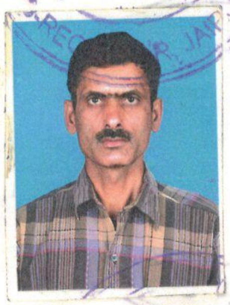

लीज डीड 30 वर्ष

॥ श्री ॥

यह लीज डीड आज दिनांक 13 मार्च, 2008 ईस्वी को अमर पब्लिक शिक्षा समिति सचिव, वीरेन्द्र सिंह आयु 44 वर्ष निवासी वैशाली नगर, जयपुर किरायेदार जिसे इस लीज डीड में आगे शब्द प्रथमपक्ष के नाम से सम्बोधित किया

सब रजिस्ट्रार, जयपुर पंचम

13 MAR 2008

10323 [illegible]

[illegible] का मूल्य ... 5000 [illegible]

[illegible handwriting]

[illegible]

राम अवतार खण्डेलवाल

स्टाम्प विक्रेता

[illegible], जयपुर [illegible]

[illegible]

SUB-REGISTRAR, JAIPUR-V + (राज.)

उप पंजीयक (पंचम) जयपुर

सत्यमेव जयते

JAIPUR-V, SUB-REGISTRAR

[illegible] (स्व.?) [illegible]

है। एवं श्रीमती मंजू कंवर पत्नि श्री सत्येन्द्र सिंह जाति राजपूत निवासी सी-161, सिंह भूमि खातीपुरा, जयपुर मालिक सम्पत्ति जिसे इस लीज डीड में आगे शब्द द्वितीय पक्ष के नाम से सम्बोधित कियागया है। के बीच में यह लीजडीड निम्न प्रकार से निष्पादित की जाती है।

जो कि किरायेदार प्रथमपक्ष अमर पब्लिक शिक्षा समिति जरिये सचिव, वीरेन्द्र सिंह ए.पी.एस.बी.एड. शिक्षण संस्थान हेतु मकान बी-173-174 किरोबा भावे नगर, जयपुर में बना हुआ है जिसमें 16 कमरे है जो कि पच्चीस सौ नौ वर्ग मीटर क्षेत्रफल है जिसका निर्मित क्षेत्रफल लगभग 2000 वर्ग मीटर है। जिसके पूर्व में आम रास्ता है, पश्चिम में प्लाट नं. 168 है उत्तर में प्लाट नं. 172 है दक्षिण में प्लाट नं. 175 है जिसे द्वितीय पक्ष लीज पर देने के लिए सहमत है।

अतः दोनों पक्ष के मध्य निम्नलिखि शरायते तय हुई है जिन शर्तों व शरायतों का दोनों पक्ष व दोनों पक्षों के उत्तराधिकारी पूर्ण रूप से पालन करेंगे।

1. यह कि यह लीज डीड दिनांक 13.03.2008 से शुरू हो चुकी है।
2. यह कि लीज पर ली गई सम्पत्ति आज दिनांक से 30 वर्ष के लिये किराये पर ली गई है।
3. यह कि किराये की राशि 4000/- रूपये अक्षरे चार हजार रूपये प्रतिमाह के हिसाब से प्रथमपक्ष द्वितीयपक्ष को अदा करेगा ।
4. यह कि लीज की राशि हर माह की 10 तारीख को प्रथम पक्ष द्वितीयपक्ष को चैक/नकद द्वारा अदा करेगा या लीज राशि नकद अदा करेगा तो उसे रसीद प्राप्त करनी होगी। बिना रसीद के लीज राशि अदायगी का उज्र नहीं करेगा।
5. यह कि प्रथम पक्ष ने लीज पर ली गई सम्पत्ति का मौके पर सही व दुरूस्त हालत में कब्जा प्राप्त कर लिया है जिसको प्रथमपक्ष अच्छी हालात में ही रखेगा व लीज अवधि में प्रथम पक्ष इसकी आवश्यक मेन्टीनेन्स अपने खर्चे से कराता रहेगा।

7. यह कि लीज पर दी गई सम्पत्ति में नल-बिजली, के कनेक्शन लगे हुए है, फिटिंग्स हो रही है जिनका प्रथमपक्ष उपयोग व उपभोग करेगा और उसका खर्चा लीज राशि के अलावा हर माह अदा करेगा।

8. यह कि लीज पर दी गई सम्पत्ति का प्रथमपक्ष किसीभी अन्य संस्था, व्यक्ति को किसीप्रकार से सबलेट, पार्टविथ पजेशन या हस्तान्तरित नहीं कर सकेगा।

9. यह कि लीज पर दी गई सम्पत्ति का उपयोग प्रथमपक्ष अथवा उसके प्रतिनिधि आदि भी कदापि ऐसे उपयोग में नही लेगे जो कानूनी व नैतिक आधारों पर वर्जित हो तथा ना ही उक्त लीज पर लिये हुए परिसर में ऐसा कोई कार्य करेगा जिससे न्यूसेंस पैदा हो एवं आस पडौस में रहने वालों को आपत्ति हो।

10. यह कि लीज अवधि समाप्त होने के बाद भी यदि द्वितीयपक्ष प्रथमपक्ष को उक्त सम्पत्ति लीज पर देनेके लिए सहमत होगा तो दोनों पक्ष मिलकर नई लीज डीड निष्पादित कर सकेंगे।

11. यह कि प्रथम पक्ष ने उक्त सम्पत्ति अपने शिक्षण कार्य के लिये लीज पर ली है तथा प्रथम पक्ष उक्त सम्पत्ति में कोई अन्य कार्य नही करेगा तथा उक्त स सम्पत्ति में कोई भारी मशीनरी नही लगायेगा व कोई मैन्यूफैक्चरिंग इत्यादि का कार्य एवं कारोबार नही करेगा ।

12. यह कि यदि प्रथमपक्ष उक्त सम्पत्ति को समय से पहले खाली करना चाहेगा तो वह द्वितीयपक्ष सम्पत्ति मालिक को एक माह पूर्व नोटिस लिखित में देकर ही उक्त सम्पत्ति को खाली करेगा।

13. यह कि प्रथम पक्ष द्वारा उक्त लीज डीड की शर्तों की पालना करते रहने पर मालिक सम्पत्ति उक्त लीज की अवधि पूर्ण होने से पूर्व प्रथमपक्ष से उक्त सम्पत्ति को खाली नही करवा सकेगा।

14. यह कि लीज अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रथम पक्ष सम्पत्ति खाली करके द्वितीयपक्ष को कब्जा सौप देगा ।

....4

अत: यह लीज डीड प्रथमपक्ष ने अपनी राजी खुशी व स्वस्थ चित तथा स्थिर बुद्धि की अवस्था में द्वितीयपक्ष के हित में 500/- रूपये के एक किता व तीन पेपरों पर टाइप करवा कर इसे पढ, सुन, सोच व समझ व स्वीकार करके दो गवाहान के समक्ष हस्ताक्षर कर दिये है, कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे। इति दिनाक 13.03.2008

हस्ताक्षर प्रथम पक्ष

हस्ताक्षर द्वितीयपक्ष

गवाह -

गवाह-

सर्वेश कुमार

5/1/08

दिनांक 14/3/08

उक्त श्री/श्रीमती/सुश्री (Executant)

Signature Photo Thumb

1 -VIRENDRA SINGH / KALYAN SINGH
उम्र -44 वर्ष जाति - RAJPUT, व्यवसाय -SERVICE
निवासी - B-173-174 VAISHALI NAGAR JAIPUR

(And Claimtent)
1 -MANJU KANWAR / SATYENDRA SINGH
उम्र -34 वर्ष जाति - RAJPUT व्यवसाय -SERVICE
निवासी -C-161 SINGH BHOOMI KHATIPURA JAIPUR

ने लेख्यपत्र Lease Deed (Rent) MORE THEN **EQUAL TO** 20 Years Commr and Others को पढ़ सुन व समझकर निष्पादन करना स्वीकार किया।

1- श्री/श्रीमती/सुश्री MAHENDRA SINGH CHOUHAN
पुत्र /पुत्री /पत्नी श्री SHANKAR SINGH CHOUHAN
उम्र -28 वर्ष जाति-RAJPUT व्यवसाय -PRIVATE SERVICE
निवासी B-83 VINAYAK NAGAR JAIPUR,,

2- श्री/श्रीमती/सुश्री DILIP SINGH
पुत्र /पुत्री /पत्नी श्री PREM SINGH SHEKHAWAT
उम्र -31 वर्ष जाति-RAJPUT व्यवसाय -PRIVATE SERVICE
निवासी B-55 NITYANAND NAGAR JAIPUR,,

ने की है जिनके समस्त हस्ताक्षर एंव अगूंठा के निशान मेरे समक्ष लिये गयें हैं।

(2008397005482)
Lease Deed (Rent) MORE THEN **EQUAL TO** 20 Years Commr Others

उप पंजीयक, JAIPUR-V
सब रजिस्ट्रार, जयपुर
पंचम

आज दिनांक 14/3/2008 को
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 181
में पृष्ठ संख्या 14 क्रम संख्या 2008397003567पर
पंजिबद्व किया गया तथा अतिरिक्त
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 721
के पृष्ठ संख्या 99 से 105
पर चस्पा किया गया।

(2008397005482)
Lease Deed (Rent) MORE THEN **EQUAL TO** 20 Years Commr Others

उप पंजीयक, JAIPUR-V
सब रजिस्ट्रार, जयपुर
पंचम

आज दिनांक 14 माह मार्च सन् 2008 को 12:10 PM बजे
श्री/श्रीमती/सुश्री VIRENDRA SINGH पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KALYAN SINGH
उम्र 44 वर्ष, जाति RAJPUT व्यवसाय SERVICE
निवासी B-173-174 VAISHALI NAGAR JAIPUR null null
ने मेरे सम्मुख दस्तावेज पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता

उप पंजीयक, JAIPUR-V
सब रजिस्ट्रार, जयपुर
पंचम

(2008397005482)
Lease Deed (Rent) MORE THEN EQUAL TO 20 Years Commr
Others

रसीद नं0	[2008397005598]
दिनांक	[14-3-2008]
पंजीयन शुल्क रू0	2440
प्रतिलिपि शुल्क रू0	0
पृष्ठांकन शुल्क रू0	100
अन्य शुल्क रू0	0
कमी स्टाम्प शुल्क रू0	93800
कुल योग रू0	96340

उप पंजीयक, JAIPUR-V
सब रजिस्ट्रार, जयपुर
पंचम

(2008397005482)
Lease Deed (Rent) MORE THEN EQUAL TO 20 Years Commr
Others

उप-पंजीयक (पंचम) (राज.) + JAIPUR-V + SUB-REGISTRAR